महेश और प्रियंका ने फिल्म 'वाराणसी' से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर की

एस. एस. राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा जोनस ने फिल्म 'वाराणसी' से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर की हैं. बड़े स्केल, दमदार विज़न और यादगार कहानियों के लिए पहचाने जाने वाले राजामौली अब अपनी अगली मेगा एक्शन-एडवेंचर फिल्म वाराणसी के साथ लौट रहे हैं. महेश बाबू, प्रियंका चोपड़ा जोनस और पृथ्वीराज सुकुमारन स्टारर यह फिल्म पहले ही देश की सबसे चर्चित और बहुप्रतीक्षित फिल्मों में शामिल हो चुकी है. आध्यात्मिक और ऐतिहासिक शहर वाराणसी की पृष्ठभूमि में बनी यह फिल्म पारंपरिक जड़ों को एक मॉडर्न और रिलेटेबल कहानी के साथ जोड़ने वाली है.फिल्म को लेकर उत्साह अपने चरम पर है, खासकर हाल ही में सामने आए कैरेक्टर पोस्टर्स के बाद.

इसी बीच एक इंटरव्यू में एस. एस. राजामौली, महेश बाबू और प्रियंका चोपड़ा जोनस ने फिल्म से जुड़ी दिलचस्प बातें शेयर कीं. राजामौली ने बताया कि उन्हें हॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर जेम्स कैमरन से जो सराहना मिली, उसने उन्हें फिर से खुश कर दिया. उन्होंने कहा, 'मैंने जेम्स कैमरन को आरआरआर के बारे में बात करते सुना और वो पल मेरे लिए बेहद खास था. हमारी लंबी बातचीत हुई और उनकी बात मुझे आज भी याद है आप वही फिल्में बनाते रहिए जो आप बनाते हैं.'

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने भारतीय सिनेमा में वापसी को लेकर अपनी खुशी जाहिर करते हुए कहा, 'मैंने छह साल से कोई इंडियन फिल्म नहीं की थी. मैंने एसएसआर से रिक्वेस्ट की क्या आप मुझे डांस करवा सकते हैं?' इस पर महेश बाबू ने मुस्कुराते हुए कहा, 'हम एक गाना शूट कर चुके हैं और वो हमारे दिमाग में घूमता रहता है. प्रियंका तो उसे हर वक्त गुनगुनाती रहती हैं.'

वाराणसी पहले ही भारत से बाहर भी अपनी छाप छोड़ चुकी है. फिल्म की पहली झलक पेरिस के ले ग्रां रेक्स में हुए ट्रेलर फेस्टिवल में दिखाई गई, जहां दर्शकों का रिस्पॉन्स जबरदस्त रहा. पहले ही फ्रेम से थिएटर तालियों, सीटियों और तालियों की गूंज से भर गया, जिसने फिल्म को लेकर ग्लोबल एक्साइटमेंट साफ दिखा दिया.

फिल्म 'इक्का' का टीजर रिलीज

बॉलीवुड अभिनेतासनी देओल और अक्षय खन्ना की आने वाली फिल्म 'इक्का' का टीज़र रिलीज हो गया है.

ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स ने फिल्म 'इक्का' का टीज़र सोशल मीडिया पर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा है, 'कानून या खून का रिश्ता, किसके हाथ में है इस खेल का इक्का? देखिए 'इक्का', जल्द आ रही है, सिर्फ नेटफ्लिक्स पर.' टीज़र में सनी देओल एक दमदार वकील के किरदार में नजर आ रहे हैं. दूसरी ओर अक्षय खन्ना इस फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आ रहे हैं.सनी ने इस टीजर में सिर्फ एक डायलॉग 'शट अप' बोला है. टीजर में अक्षय खन्ना की झलक भी देखने को मिली है. उनका अंदाज़ भी लोगों का ध्यान खींच रहा है. सनी देओल के साथ उनका तीखा आमना-सामना दर्शकों का ध्यान खींच रहा है.

'मां बहन' में कॉमिक अंदाज में नजर आयेंगी तृप्ति

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी अपनी आने वाली फिल्म 'मां बहन' में कॉमिक अंदाज में नजर आयेंगी.

'बुलबुल' और 'क़ाला' के बाद, तृप्ति डिमरी अपनी अगली नेटफ्लिक्स फिल्म 'मां बहन' के साथ एक बार फिर सुर्खियों में हैं. यह एक डार्क कॉमेडी फिल्म है, जिसे सुरेश त्रिवेणी ने निर्देशित किया है. इस फिल्म में माधुरी दीक्षित, रवि किशन और धारणा दुर्गा की भी अहम भूमिका है. इस फिल्म की कहानी रेखा और उसकी दो बेटियों, जया और सुषमा के इर्द-गिर्द घूमती है, जिन्हें उनके मोहल्ले में पहले से ही शक की नजर से देखा जाता है. कहानी तब मजेदार मोड़ लेती है, जब उनकी रसोई में एक लाश मिलती है और उसे छुपाने के लिए तीनों को मजबूरी में साथ आना पड़ता है.

फिल्म मां बहन का टीजर हाल ही में रिलीज किया गया है. तृप्ति डिमरी का डार्क कॉमेडी की ओर रुख करना दर्शकों को खासा पसंद आ रहा है. उनकी शानदार कॉमिक टाइमिंग, 'बड़ी बहन' के किरदार में जिम्मेदारी और हल्की-फुल्की शरारत, साथ ही उनकी सहज घरेलू बोली उनके किरदार को बेहद असली बनाती है. यही वजह है कि दर्शक उनके इस नए अंदाज़ को खूब सराह रहे हैं.

'ओ' रोमियो' में गंभीर और सधी हुई अदाकारी दिखाने के बाद, 'मां बहन' में तृप्ति डिमरी का यह चुलबुला और अनदेखा रूप सामने आ रहा है. यह साफ दिखाता है कि तृप्ति डिमरी आज की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक हैं, जो हर किरदार में आसानी से ढल जाती हैं.

एण्डटीवी पर होगा एंटरटेनमेंट का महा मेला !

इस हफ्ते एण्डटीवी लेकर आ रहा है मनोरंजन से भरपूर एक खास हफ्ता, जिसमें होगा डर, ड्रामा और ढेर सारी हंसी. 'घरवाली पेड़वाली' और 'हप्पू की उलटन पलटन' के नए एपिसोड्स दर्शकों को रोमांच और भावनाओं के सफर पर ले जाएंगे. हफ्ते का सबसे बड़ा ट्विस्ट 'घरवाली पेड़वाली' में देखने को मिलेगा, जहां कुलदेवी मंदिर की पवित्र पूजा अचानक डरावने मोड़ पर पहुंच जाती है. जीतू को अपने फ़र्ज़ और प्यार के बीच एक मुश्किल फैसला लेना पड़ता है, और सिंदूर का एक पल ऐसा तूफान खड़ा करता है, जो सबकी जिंदगी बदल सकता है. 'घरवाली पेड़वाली' में लतिका का किरदार निभा रहीं प्रियंवदा कांत ने शो की आगे की कहानी के बारे में बताते हुए कहा, 'महंत जी पांडे परिवार को तुलसी के फेरे कराने ले जाते हैं, लेकिन उन्हें पता नहीं होता कि लतिका की रहस्यमयी परछाईं भी उनके साथ-साथ चली आई है. भूतनाथ बाबा तुरंत लतिका को पहचान लेते हैं और उसे रोकने के लिए सुरक्षा घेरा बनाते हैं, लेकिन वह उनकी चेतावनी अनदेखी कर आगे बढ़ जाती है. जैसे ही फेरे शुरू होते हैं, जीतू यह सब सुन लेता है और घबराहट में रस्म पूरी कर देता है. तभी सब हैरान रह जाते हैं जब लतिका जीतू के पास खड़ी दिखाई देती है. गीता उसे वहां से खींचकर अलग कर देती है और माहौल पूरी तरह बिगड़ जाता है. अपनी असली पहचान छुपाकर, लतिका नकली नाम से सुहाग और परिवार का आशीर्वाद भी पा लेती है, जिससे भूतनाथ बाबा और ज्यादा चिंतित हो जाते हैं.

सीरत कपूर ने खोले हाई-वोल्टेज ड्रामा के राज

डर, ड्रामा और ढेर सारी मस्ती 'घरवाली पेड़वाली' के अनुभवों पर बोलीं सीरत कपूर एण्डटीवी के सुपरनैचुरल हॉरर-कॉमेडी शो 'घरवाली पेड़वाली' में सावी का किरदार निभा रहीं सीरत कपूर इन दिनों दर्शकों का दिल जीत रही हैं. शो अपने सबसे रोमांचक मोड़ पर है, जहां मंदिर की रस्में, चौंकाने वाले राज़ और जीतू (पारस अरोड़ा) व लतिका (प्रियंवदा कांत) से जुड़े सुपरनैचुरल ट्विस्ट पांडे परिवार की कहानी को और रहस्यमय बना रहे हैं. इस खास बातचीत में सीरत ने अपने किरदार, ऑन-सेट बॉन्डिंग और शूटिंग के मज़ेदार अनुभवों पर खुलकर बात की. 1. सावी में खुद को कितना देखती हैं सीरत? क्या पर्दे पर उनका किरदार निभाते समय आप अपनी असल जिंदगी के किसी अनुभव या भावनाओं से जुड़ती हैं? मुझे लगता है कि मेरा व्यक्तित्व स्वाभाविक रूप से सावी के किरदार में झलकता है. वह भावनात्मक रूप से संतुलित, संवेदनशील और अपने अंदाज में शांत एवं मज़बूत है, जिससे मैं खुद को गहराई से जोड़ पाती हूँ. उसे निभाते समय मैं असल जिंदगी की भावनाओं-जैसे उलझन, प्यार, नाजुकपन और हिम्मत से प्रेरणा लेती हूँ, जो हम सभी कभी न कभी महसूस करते हैं.

रणदीप ने फिल्म 'ईथा' के लिए बढ़ाया वजन

बॉलीवुड स्टार रणदीप हुड्डा नेअपनी आने वाली फिल्म 'ईथा' के लिए वज़न बढ़ाया है और दमदार बॉडी बनाई है. रणदीप हुड्डा ने एक बार फिर अपनी फिटनेस से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है. इस बार उन्होंने जिम से एक मिरर सेल्फी शेयर की है, जिसमें उनका बढ़ा हुआ और दमदार शरीर साफ नज़र आ रहा है. हाल ही में अपने नए मूंछों वाले लुक को लेकर चर्चा में रहे रणदीप अब इस नई शर्टलेस तस्वीर में अपनी ज़बरदस्त बॉडी ट्रांसफॉर्मेशन दिखाते दिखे. यह लुक उनकी आने वाली फिल्म 'ईथा' के लिए है, जिसकी शूटिंग इस वक्त मुंबई में चल रही है.

तस्वीर शेयर होते ही कमेंट सेक्शन में फैंस की भरमार हो गई. लोग आग और लाल दिल वाले इमोजी जमकर पोस्ट करने लगे. एक फैन ने लिखा, 'भाई, वज़न बढ़ाना और घटाना कोई आपसे सीखे!' वहीं किसी ने उन्हें सीधा 'हॉटेस्ट' कह दिया.

इस ट्रांसफॉर्मेशन को लेकर उत्साह इसलिए भी बढ़ गया क्योंकि यह लुक फैंस के लिए पूरी तरह नया नहीं था. कुछ दिन पहले ही रणदीप को मुंबई में शूट के बाद देखा गया था, जहां उनकी घनी मूंछें और पहले से ज़्यादा भारी-भरकम बॉडी नज़र आई थी. उस वक्त का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था और उनका नया लुक चर्चा का विषय बन गया था.

रणदीप हुड्डा अपने किरदारों के लिए शरीर में बड़े बदलाव करने के लिए जाने जाते हैं, इसलिए फैंस को पूरा भरोसा है कि यह दमदार बॉडी उनकी अगली फिल्म 'ईथा' के लिए ही है. यह फिल्म मैडॉक फिल्म्स द्वारा प्रोड्यूस की जा रही है और इसका निर्देशन लक्ष्मीकांत उतेकर कर रहे हैं. प्रोजेक्ट से जुड़े एक सूत्र ने बताया, 'रणदीप अपने काम को लेकर हमेशा बेहद गंभीर रहते हैं. किसी किरदार के लिए अगर खास लुक या बॉडी की ज़रूरत होती है, तो वह पूरी तरह उसमें डूब जाते हैं.

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बायोपिक 'मां वंदे' का पहला शेड्यूल हैदराबाद में पूरा कर लिया गया है.

फिल्म 'मां वंदे' में उन्नी मुकुंदन मुख्य भूमिका में नजर आएंगे.मेकर्स ने सोशल मीडिया पर सेट से बिहाइंड द सीन तस्वीरें शेयर की हैं, जिनमें इस बड़े और महत्वाकांक्षी बायोग्राफिकल ड्रामा की पहली झलक देखने को मिलती है.

हैदराबाद शेड्यूल की शुरुआत शुभ मुहूर्त में पारंपरिक पूजा के साथ हुई थी, जिसके बाद फिल्म के कई अहम सीन शूट किए गए. इस चरण के पूरा होते ही अब टीम अगले शेड्यूल के लिए कश्मीर का रुख करने वाली है. सामने आई बीटीएस तस्वीरों में सेट के दिलचस्प पल कैद हैं, जहां निर्देशक क्रांति कुमार सी. एच. उन्नी मुकुंदन के साथ नजर आ रहे हैं. 'मां वंदे' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जीवन सफर से प्रेरित एक बायोग्राफिकल ड्रामा है.

प्रधानमंत्री की बायोपिक 'मां वंदे' का शेड्यूल हुआ पूरा

मधुर भंडारकर ने द वाइव्स की शूटिंग पूरी की

बॉलीवुड फिल्मकार मधुर भंडारकर ने अपनी आने वाली फिल्म 'द वाइव्स' की शूटिंग पूरी कर ली है. फिल्म 'द वाइव्स' में सोनाली कुलकर्णी, मौनी रॉय, रेजिना कैसेंड्रा, राहुल भट्ट, सौरभ सचदेवा, अर्जन बाजवा और फ्रेडी दारूवाला जैसे दमदार कलाकार हैं.

मधुर भंडारकर ने कहा, ''द वाइव्स' एक ऐसी कहानी है जो स्पॉटलाइट से आगे बढ़कर उन पर्सनल लाइफ को देखती है जो अक्सर फेम के आगे दब जाती हैं. यह इमेज और सक्सेस से चलने वाली दुनिया में रिश्तों, एम्बिशन, इनसिक्योरिटी और इमोशनल सर्वाइवल को एक्सप्लोर करती है. मैं इस कहानी को ईमानदारी और सेंसिटिविटी के साथ बताना चाहता था, और मैं अपनी कास्ट और क्रू का शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने स्क्रीन पर इतनी ऑथेंटिसिटी लाई.'

पी जे मोशन पिक्चर्स के प्रोड्यूसर प्रणव जैन ने भी प्रोजेक्ट को लेकर अपनी एक्साइटमेंट जाहिर करते हुए कहा, 'मधुर सर के साथ कोलेबोरेट करना हमेशा एक क्रिएटिव रूप से पूरा करने वाला एक्सपीरियंस होता है. उनमें कॉम्प्लेक्स, इंसानी कहानियों को बहुत ही रिलेटेबल तरीके से बताने की एक रेयर एबिलिटी है.

साइंस एंड टेक्नोलॉजी

बिना क्रॉप के अब इंस्टाग्राम फोटो

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम ने यूजर एक्सपीरियंस को और बेहतर बनाने की दिशा में एक अहम बदलाव किया है. इंस्टाग्राम ने अब फोटो पोस्ट करने के लिए 3:4 आस्पेक्ट रेशियो का सपोर्ट जोड़ दिया है. इस अपडेट के बाद यूजर्स अपने स्मार्टफोन से ली गई तस्वीरों को बिना क्रॉप किए सीधे इंस्टाग्राम पर अपलोड कर सकेंगे. यह बदलाव खासतौर पर उन यूजर्स और कंटेंट क्रिएटर्स के लिए राहत लेकर आया है, जो लंबे समय से ओरिजिनल फ्रेम में फोटो पोस्ट करने की मांग कर रहे थे.

दरअसल, ज्यादातर स्मार्टफोन कैमरे डिफॉल्ट रूप से 3:4 आस्पेक्ट रेशियो में फोटो खींचते हैं, लेकिन अब तक इंस्टाग्राम पर इन्हें अपलोड करने के दौरान क्रॉप करना पड़ता था. प्लेटफॉर्म मुख्य रूप से स्क्वायर यानी 1:1 और वर्टिकल 4:5 या 5:4 आस्पेक्ट रेशियो को ही सपोर्ट करता था. नए अपडेट के साथ अब 3:4 फॉर्मेट में ली गई तस्वीरें इंस्टाग्राम पर वैसी ही दिखाई देंगी, जैसी कैमरे से ली गई हैं.

इंस्टाग्राम के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एडम मोसेरी ने थ्रेड्स के जरिए इस अपडेट की जानकारी दी. उन्होंने कहा कि 3:4 फॉर्मेट में ली गई फोटोज अब सिंगल इमेज पोस्ट और कैरोसेल पोस्ट, दोनों में बिना किसी बदलाव के दिखाई देंगी. इसका मतलब यह है कि यूजर्स को अब अपनी तस्वीरों की क्वालिटी या फ्रेमिंग से समझौता नहीं करना पड़ेगा.

इस बदलाव से फोटोग्राफर्स और क्रिएटर्स को खास फायदा मिलने की उम्मीद है, क्योंकि अब ओरिजिनल इमेज का डायरेक्ट ट्रांसलेशन इंस्टाग्राम पर दिखेगा. फोटो को जबरन फिट करने या स्ट्रेच करने की जरूरत नहीं होगी, जिससे तस्वीर की नेचुरल अपील बनी रहेगी.

गौरतलब है कि पिछले महीने इंस्टाग्राम ने एक नया एडिट्स ऐप भी लॉन्च किया था, जो मोबाइल पर वीडियो एडिटिंग के लिए बनाया गया है. यह ऐप टिकटॉक की पेरेंट कंपनी बाइटडांस के कैपकट ऐप को टक्कर देने के लिए पेश किया गया है. इस ऐप के जरिए यूजर्स बिना वॉटरमार्क के वीडियो एडिट कर सकते हैं और उन्हें दूसरे प्लेटफॉर्म्स पर भी अपलोड कर सकते हैं. कुल मिलाकर, 3 :4 आस्पेक्ट रेशियो का सपोर्ट जोड़कर इंस्टाग्राम ने यह साफ कर दिया है कि वह क्रिएटर्स और आम यूजर्स दोनों की जरूरतों को ध्यान में रखकर प्लेटफॉर्म को लगातार अपडेट कर रहा है.

अफार से मिला हैरान करने वाला मानव जीवाश्म

मानव विकास के इतिहास से जुड़ा एक बड़ा रहस्य अब वैज्ञानिकों के सामने उजागर हुआ है. इथियोपिया के अफ़ार क्षेत्र में वैज्ञानिकों को इंसान के एक प्राचीन रिश्तेदार का ऐसा जीवाश्म मिला है, जहां उसके मिलने की किसी को उम्मीद नहीं थी. इस खोज ने यह धारणा बदल दी है कि शुरुआती मानव प्रजातियां अकेले या सबसे ताकतवर थीं. महज़ एक जबड़े की हड्डी ने मानव विकास की कहानी को नए सिरे से सोचने पर मजबूर कर दिया है.

यह खोज यूनिवर्सिटी ऑफ शिकागो के प्रसिद्ध पेलियोएंथ्रोपोलॉजिस्ट प्रोफेसर ज़ेरेसेनाय अलेमसेग्ड के नेतृत्व में की गई है. रिसर्च जर्नल 'नेचर' में प्रकाशित इस अध्ययन के अनुसार, अफ़ार क्षेत्र से मिला यह जीवाश्म 'पैरान्थ्रोपस' प्रजाति का है, जिसकी मौजूदगी इससे पहले इस इलाके में कभी दर्ज नहीं की गई थी. यह स्थान उस क्षेत्र से करीब 1000 किलोमीटर उत्तर में है, जहां अब तक पैरान्थ्रोपस के जीवाश्म पाए गए थे. करीब 26 लाख साल पुरानी यह आंशिक जबड़े की हड्डी पैरान्थ्रोपस की अब तक की सबसे पुरानी खोजों में से एक मानी जा रही है. वैज्ञानिकों ने

इस जीवाश्म को माइक्रो-सीटी स्कैन जैसी आधुनिक तकनीक की मदद से जांचा, जिससे इसके अंदरूनी ढांचे और बनावट को समझा जा सका. इस अध्ययन से साफ हुआ कि पैरान्थ्रोपस केवल सीमित इलाकों तक सिमटी प्रजाति नहीं थी, बल्कि अलग-अलग पर्यावरण में खुद को ढालने की क्षमता रखती थी. अब तक माना जाता था कि पैरान्थ्रोपस की अनुपस्थिति अफ़ार क्षेत्र में इसलिए थी क्योंकि यह प्रजाति या तो भोजन के मामले में बहुत सीमित थी या फिर होमो प्रजाति के साथ प्रतिस्पर्धा में टिक नहीं पाई. लेकिन नई खोज बताती है कि यह धारणा गलत थी. वैज्ञानिकों का कहना है कि पैरान्थ्रोपस उतनी ही व्यापक और अनुकूलनशील थी जितनी शुरुआती होमो प्रजातियां.

पैरान्थ्रोपस को लंबे समय से 'नटक्रैकर' प्रजाति कहा जाता रहा है, क्योंकि इसके जबड़े मजबूत और दांत बेहद बड़े थे. इससे यह मान लिया गया था कि इसका आहार बहुत सीमित रहा होगा. लेकिन अफ़ार से मिले इस जीवाश्म से संकेत मिलता है कि यह प्रजाति अलग-अलग तरह के भोजन का उपयोग कर सकती थी और इसकी जीवनशैली पहले सोची गई तुलना में कहीं ज्यादा जटिल थी.

वैज्ञानिकों का मानना है कि यह खोज मानव विकास की उस अवधि को समझने में मदद करेगी, जब कई मानव प्रजातियां एक ही समय में पृथ्वी पर मौजूद थीं. इससे यह भी साफ होता है कि आधुनिक इंसान का उदय एक सीधी और सरल प्रक्रिया नहीं थी, बल्कि प्रतिस्पर्धा, अनुकूलन और पर्यावरणीय बदलावों से भरा एक लंबा सफर रहा है.

धरती के भीतर से बदली मैग्नेटिक कहानी

पृथ्वी के भीतर छुपे रहस्य आज भी विज्ञान के लिए किसी पहेली से कम नहीं हैं. इंसान अंतरिक्ष में अरबों किलोमीटर दूर तक पहुंच चुका है, लेकिन धरती की सतह के नीचे अब तक सिर्फ करीब 12 किलोमीटर तक ही ड्रिलिंग हो पाई है. ऐसे में धरती के भीतर, खासकर मेंटल और कोर की सीमा पर क्या हो रहा है, इसकी जानकारी बेहद सीमित है. अब एक नई वैज्ञानिक रिसर्च ने संकेत दिए हैं कि धरती के अंदर मौजूद विशाल और अत्यधिक गर्म चट्टानी संरचनाएं पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड को दिशा देने में अहम भूमिका निभा रही हैं.

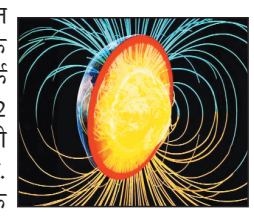

यूनिवर्सिटी ऑफ लिवरपूल के वैज्ञानिकों द्वारा की गई इस स्टडी के मुताबिक, धरती की सतह से लगभग 2900 किलोमीटर नीचे अफ्रीका और प्रशांत महासागर के नीचे दो बेहद बड़ी और गर्म संरचनाएं मौजूद हैं.

ये ठोस लेकिन सुपर-हॉट चट्टानें करोड़ों सालों से धरती के आउटर कोर को प्रभावित कर रही हैं. वैज्ञानिकों का कहना है कि इन संरचनाओं के कारण कोर में मौजूद तरल लोहे की गति हर जगह एक जैसी नहीं रहती.धरती का मैग्नेटिक फील्ड आउटर कोर में मौजूद तरल लोहे की हलचल से बनता है, जिसे जियोडायनेमो प्रोसेस कहा जाता है.

बोट निर्वाण क्राउन का रियल टेस्ट

भारतीय ऑडियो ब्रांड बोट ने अपने नए ट्रू वायरलेस स्टीरियो ईयरबड्स बोट निर्वाण क्राउन को हाल ही में बाजार में उतारा है. 2799 रुपये की कीमत वाले इस प्रोडक्ट की सबसे बड़ी खासियत इसका अनोखा चार्जिंग केस है, जिसमें सोनिक एआरसी यानी एडवांस्ड रोटेशनल क्राउन दिया गया है. यह एक ऐसा फीचर है, जो आमतौर पर ईयरबड्स में देखने को नहीं मिलता और इसी वजह से यह प्रोडक्ट चर्चा में बना हुआ है.

बोट निर्वाण क्राउन के केस के ऊपर एक रोटेट होने वाला क्राउन दिया गया है, जिसमें एलईडी लाइट्स लगी हैं. ये लाइट्स वॉल्यूम लेवल और बैटरी स्टेटस को दिखाती हैं. क्राउन को घुमाने पर साउंड कम या ज्यादा

किया जा सकता है और इस दौरान हैप्टिक फीडबैक भी मिलता है, जिससे यूजर को फिजिकल रेस्पॉन्स महसूस होता है. केस के बीच में एक बटन भी दिया गया है, जिससे कॉल रिसीव करना, ट्रैक बदलना और यहां तक कि फोटो क्लिक करने जैसे काम किए जा सकते हैं. इन सभी फंक्शन्स को बोट हेयरेबल्स ऐप के जरिए कस्टमाइज किया जा सकता है.

डिजाइन की बात करें तो केस और ईयरबड्स दोनों प्लास्टिक के बने हैं. ईयरबड्स में एलईडी लाइट दी गई है, जो कनेक्शन के समय ब्लिंक करती है. हालांकि, कीमत के हिसाब से इसकी बिल्ड क्वालिटी प्रीमियम फील नहीं देती. केस का ढक्कन थोड़ा ढीला महसूस होता है और बटन भी बहुत मजबूत नहीं लगते. यह प्रोडक्ट देखने में ज्यादा एक इंटरैक्टिव गैजेट या टॉय जैसा महसूस होता है.

परफॉर्मेंस की बात करें तो इसमें ब्लूटूथ 6 सपोर्ट दिया गया है, जिससे कनेक्टिविटी काफी स्मूद रहती है. लिड खोलते ही फोन में पेयरिंग नोटिफिकेशन आ जाता है और डुअल पेयरिंग का फीचर भी मौजूद है. ऑडियो के लिए इसमें 10 एमएम ड्राइवर्स दिए गए हैं. साउंड आउटपुट बैलेंस्ड और लाउड है, लेकिन इस प्राइस रेंज में मिलने वाली पंची और क्रिस्प बेस की कमी साफ महसूस होती है.

कुल मिलाकर, बोट निर्वाण क्राउन अपने यूनिक केस डिजाइन और रोटेटिंग क्राउन की वजह से जरूर अलग पहचान बनाता है, लेकिन अगर आपकी प्राथमिकता बेहतरीन साउंड क्वालिटी और दमदार बेस है, तो इस कीमत में बाजार में दूसरे बेहतर विकल्प भी मौजूद हैं.